मनोज जायसवाल

झोपड़पट्टियों में अवैध मोबाइल टॉवरों की भरमार

मुंबई. आये दिन झोपड़पट्टियों में अवैध मोबाइल टॉवरों की संख्या बढ़ती जा रही है, जोकि आम आदमी के स्वास्थ्य के नजरिये से बेहद चिंताजनक है. ऐसे में सरकार को ध्यान देना चाहिए तथा उचित कार्रवाई करनी चाहिए अन्यथा स्थिति आगे चलकर और भयावह हो जाएगी. ऐसा कहना है युवा समाजसेवी व अधिवक्ता मनोज जायसवाल का.

मनोज के अनुसार मोबाइल टॉवर के माइक्रोवेव रेडियोधर्मिता के कारण दिमागी संतुलन बिगड़ने या खो जाने के साथ ही साथ सिर में रह-रहकर दर्द होना, ब्रेन ट्यूमर, ब्रेन हैमरेज, त्वचा संबंधी बीमारियां, कैंसर संबंधित बीमारियां, स्त्रियों में गर्भपत की संभावना, हृदय संबंधी बीमारियां, दिल का दौरा पड़ना यहां तक कि नपुंसकता जैसी बीमारियों भी होने की प्रबल संभावना होती है. ऐसे में मोबाइल कंपनियों द्वारा धड़ल्ले से अवैध रूप से लगाए जा रहे टॉवरों पर रोक न लगाना कहीं न कहीं प्रशासन की मिलीभगत लगती है. सरकार आम आदमी की जिंदगी से खेल रही है. संदर्भ में मनोज जायसवाल ने मनपा डिप्टी कमिश्नर परेल (पूर्व), सहायक मनपा आयुक्त जी साउथ विभाग एन.एम. जोशी मार्ग तथा वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक वर्ली को भी पत्र लिखा परंतु परिणाम ढाक के तीन पात वाले रहे. ऐसे में आम जनता किससे न्याय की उम्मीद करे, यह लाख टके का प्रश्न है?

अर्जुन प्रताप

पत्रकारिता के अवलंब बने.

'अर्जुन प्रताप' के संग चलें.

संरक्षक सदस्य	1 वर्ष	2100 रु.
संरक्षक सदस्य	3 वर्ष	5100 रु.
आजीवन सदस्य		11000 रु.

संपर्क करें

संपादक

बिल्डिंग नं. 42/1287 आदर्श नगर, वरली, मुंबई-400030. (महाराष्ट्र)

मो. - 9869036927